...*(Interruptions)*... Nothing is going on record. ...*(Interruptions)*... Please take your seat, Priyanka*ji*, I will not allow; take your seat. ...*(Interruptions)*... You have to maintain discipline. It is not a platform that we can speak anything. ...*(Interruptions)*... Please, take your seat, I am so sorry. Shri Shaktisinh Gohil- Concern over misuse of Pradhan Mantri Jan Arogya Yojana (PM-JAY) in Ahmedabad.

Concern over misuse of Pradhan Mantri Jan Arogya Yojana (PM-JAY) scheme in Ahmedabad

श्री शक्तिसिंह गोहिल (गुजरात): सभापति महोदय, मैं आपकी इजाजत से एक बात उठाना चाहता हूं, जो दलगत राजनीति से ऊपर उठकर इंसानों की जिंदगी के साथ खिलवाड़ करके करोड़ों रुपये कमाने की एक सोची-समझी साजिश के बारे में है और वह अहमदाबाद के ख्याति अस्पताल में की जा रही है। वे क्या स्कीम चला रहे हैं। वे गांव में जाकर free medical camp के नाम पर कैम्प लगाते थे। जब वहां गरीब लोग वहां जाते थे, तब वे उनको कहते थे कि आपकी हार्ट में ब्लॉकेज है। कल ख्याति अस्पताल आ जाना, आपकी angiography करनी पड़ेगी। फिर जिनको कोई जरूरत नहीं होती थी, वहां उनकी की angiography जाती थी और stent लगा देते थे। उस अस्पताल ने प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के द्वारा करोड़ों रुपये उठा लिए।
महोदय, अभी कुछ दिन पहले नवंबर महीने में एक कैम्प लगा। वहां पर कोई अपनी पत्नी को दिखाने गया था और पति को पकड़ लिया और कहा कि तुम्हारे हार्ट में प्रॉब्लम दिख रही है। जब ख्याति अस्पताल में, जिनकी angiography और angioplasty हुई थी, उसमें से दो लोग मर गए, वहां पर

(**श्री उपसभापति** *पीठासीन हुए।*)

काफी लोग आईसीयू में भर्ती करने पड़े, तब सरकार जागी और जांच हुई, तो पाया कि इन्होंने बार-बार ऐसा करके प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना से करोड़ों रुपये ले लिए हैं और जिनको कोई जरूरत नहीं थी, ऐसे लोगों की angiography और angioplasty करके पैसे उठाने का षडयंत्र चल रहा था। इसी अस्पताल में 2022 में इसी तरह से कैम्प से लाए हुए लोगों में से एक व्यक्ति की मृत्यु हो गई थी। सरकार की जिम्मेवारी थी कि उसी वक्त अगर इस अस्पताल के ऊपर कार्रवाई हो जाती, तो दूसरा हादसा नहीं होता। आज काफी लोगों ने जान गंवाई है। अब अस्पताल में जो main accused है, वह फॉरेन भाग गया है। सर, पैसों से ज्यादा कीमत गरीब की जान की है। आप कितना भी मुआवजा दीजिए, लेकिन उस गरीब परिवार के उन लोगों की, जिनकी जान गई है, उनको हम compensate नहीं कर पाएंगे। £महोदय, मेरी सरकार से गुजारिश है कि दलगत राजनीति से ऊपर उठकर आप independent judiciary के सुपरविज़न में यहां पर सीबीआई की

£ Expunged as ordered by the Chair.

जांच करवाइए, क्योंकि यहां यह चीज़ बहुत गंभीर है। £सर, यह सरकार की जिम्मेवारी है कि वह सीबीआई से जांच करवाए। ...(**समय की घंटी**)... ...(**व्यवधान**)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The following hon. Members associated themselves with the matter raised by the hon. Member, Shri Shaktisinh Gohil: Shri A. A. Rahim (Kerala), Dr. John Brittas (Kerala), Shrimati Jebi Mather Hisham (Kerala), Shri Haris Beeran (Kerala), Dr. Sasmit Patra (Odisha), Shri Niranjan Bishi (Odisha), Shrimati Mahua Maji (Jharkhand), Shri Sanjeev Arora (Punjab), Shri M. Mohamed Abdulla (Tamil Nadu), Dr. Kanimozhi NVN Somu (Tamil Nadu), Shri R. Girirajan (Tamil Nadu), Dr. Fauzia Khan (Maharashtra), Shrimati Phulo Devi Netam (Chhattisgarh), Shri Anil Kumar Yadav Mandadi (Telangana) and Shri Ashok Singh (Madhya Pradesh).

श्री उपसभापति : डा. अजित माधवराव गोपछड़े - Concern over use of online gambling and betting in providing financial support to terrorism.

Concern over use of online gambling and betting in providing financial support to terrorism

डा. अजित माधवराव गोपछड़े (महाराष्ट्र) : उपसभापति महोदय, अवैध इंटरनेट, जुए और सट्टेबाजी की आतंकवाद के वित्तीय समर्थन में भूमिका है, इस पर मैं अपने विचार रख रहा हूं। सर, यह गंभीर मुद्दा राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा हुआ है। राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय की सुरक्षा और वैज्ञानिकी तकनीकी अनुसंधान की एक रिपोर्ट में यह उल्लेख किया गया है कि अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी और जुआ कंपनियां मनी लॉन्ड्रिंग और आतंकवाद के वित्त पोषण के लिए एक साधन के रूप में कार्य कर रही हैं। अवैध ऑनलाइन जुआ और सट्टेबाजी ऐप्स भारतीय डिजिटल उपयोगकर्ताओं को साइबर सुरक्षा हमलों और असुरक्षित ऑनलाइन वातावरण जैसे कई खतरों का सामना करने के लिए मजबूर कर रहे हैं। यह भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए एक गंभीर खतरा बन गए हैं, क्योंकि अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी और जुए की वेबसाइटें मनी लॉन्ड्रिंग और आतंकवाद के वित्त पोषण का माध्यम बन रही हैं, जैसा कि सुरक्षा और वैज्ञानिक तकनीकी अनुसंधान संघ (एसएएसटीआरए) ने बताया है। वर्तमान कानूनी और नियामक ढांचा वैध और अवैध गतिविधियों के बीच अंतर स्पष्ट नहीं करता, जिसके कारण अवैध प्लेटफार्म्स को अकसर मनी लान्ड्रिंग जैसी अन्य अवैध गतिविधियों को बढ़ावा देने का अवसर मिलता है। भारत में ऑनलाइन अवैध सट्टेबाजी और जुआ वेबसाइटों के लिए सरोगेट विज्ञापन एक प्रमुख प्रवृत्ति बन चुका है। जुए और सट्टेबाजी सेवाओं के विज्ञापन पर कानूनी प्रतिबंध के चलते ऑपरेटर वैकल्पिक

£ Expunged as ordered by the Chair.